Samyak

An Institute For Civil Services

TP

RAS - 23 MAINS TEST SERIES

सिद्धि-II - 018/FLT-02

Time : 3 Hours **(Paper - II)** **Maximum Marks : 200**

सामान्य ज्ञान व सामान्य अध्ययन-II
General Knowledge & General Studies-II

		MARKS	
Name :			
Enroll. No.:	Part	Att. Ques.	Marks Obtained
Date of Birth : 12/06/2002	Unit- I	13	37½
Medium : हिन्दी	Unit - II	14	45
E-mail :	Unit - III	13	30
Exam Date : 09/06/2002	Total	40	112½

Evaluator's Code	Reviewer's Code	Invigilator's Signature	Student's Signature

अनुदेश (Instructions)

1. परीक्षा शुरू होने से पहले पुस्तिका को जाँच लें।
   Please check the booklet before the commencement of the exam.

2. अंक योजना प्रत्येक खंड के प्रारम्भ में दी गई है।
   The marking scheme is given at the start of every section.

3. अभ्यर्थियों को उत्तर निर्धारित शब्द सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए, इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।
   Candidates should not write more than the prescribed word limit in answers, violating this may result in deduction of marks.

4. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें। बॉर्डर लाईन से बाहर उत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेगा।
   Candidates are directed to write answers only in the prescribed space of booklet. They should not write answer outside the border line. Answer written outside the border line will not be checked.

	REVIEW PARAMETERS	SCALE			
		Good	Above Average	Average	Below Average
1.	**DOES THE ANSWER ADDRESS THE DEMAND OF THE QUESTION?**				
a.	**Answer Relevancy**				
b.	**Answer Enrichment** points like use of: · **Key Terms/** Subject Vocabulary. Use of Commission/ report/ government publication/ judgements, etc. **Association with the Current Affairs** and use of examples to explain the concept and idea				
2.	**HOW WELL IS THE ANSWER PRESENTED?**				
a.	**Structure** - Intro, Body, Conclusion				
b.	**Presentation** – Using Subheadings/ points/ highlighting/ flowcharts/ diagrams/ maps				
c.	**Language & Grammar**				
d.	**Word limit**				

Detailed Comments / Feedback / Suggestions for Improvement
विस्तृत टिप्पणियाँ/फीडबैक/सुधार के लिए सुझाव

1. अच्छा प्रयास तथ्यों/विषयों की जानकारी ठीक है। निरन्तर अभ्यास जारी रखें
2. शब्दों को स्पष्ट लिखें/वर्तनी सम्बन्धित अशुद्धियाँ पर ध्यान दें।
3. अनावश्यक लिखने से छोटे प्रश्नों में शब्द सीमा का ध्यान रखें।
4. बड़े प्रश्नों को करने से पूर्व उनके महत्वपूर्ण बिन्दुओं को सुनिश्चित करें और फिर उत्तर दें।
5. निरन्तर लेखन अभ्यास जारी रखें

Best of Luck.

Unit – I (65 Marks)
(यूनिट – I) (65 अंक)

Part – A Marks : 10
भाग - अ अंक : 10

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each Question carries 2 marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. "प्रत्येक व्यक्ति का महत्त्व केवल एक व्यक्ति का महत्त्व है, इससे अधिक नहीं।" उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए।
"The importance of each person is only the importance of one person, not more than that." Explain the above statement.

कथन - बेन्थम का

1½

इस कथन से तात्पर्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति की समाज में व्यक्तिगत महत्ता, भूमिका, उत्तरदायित्व, जवाबदेहिता एवं नैतिक तथा आध्यात्मिक स्तर पर एक वर्ग या एक समूह अंग के रूप में महत्ता को स्वीकार करना है।

(Write above this line only)

2. मानवीय चिंता का क्या तात्पर्य है?
What is meant by human concern?

2

मानवीय चिंता से तात्पर्य उस चिंता से है जो मानव के विविध पहलुओं को (जीवन के) प्रभावित करती है, जिससे उसके जीवन में बाधाएं आती है।
उदा:- राजनीतिक, आर्थिक, व्यक्तिगत, वैश्विक समस्याएं।

(Write above this line only)

3. नैतिकता का निर्धारण करने वाले बाहरी/बाह्य कारकों को नामोल्लेखित कीजिए।
Name the external factors that determine morality.

2

(1) समाज द्वारा निर्मित नियम, कानून, रीति-रिवाज, प्रथा
(2) संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार एवं कर्तव्य
(3) कानून की सर्वोच्चता (4) वैधानिकता (5) धर्म
(6) परिस्थितियाँ व मानवीय कारक

(Write above this line only)

4. ''सहानुभूति, परानुभूति से किस प्रकार भिन्न है?'' स्पष्ट कीजिए।
"How is sympathy different from empathy?" Explain.

2

सहानुभूति में व्यक्ति किसी पीड़ित व्यक्ति के प्रति वैसा ही महसूस करता है जैसा पीड़ित तथा उस पीड़ित व्यक्ति की संकट में सहायता का प्रयास किया जाता है जबकि परानुभूति में केवल भावनात्मक लगाव होता है सहयोग की भावना का अभाव होता है

(Write above this line only)

5. क्या गीता को कर्म सन्यास अथवा कर्म त्याग की अवस्था माना जा सकता है? स्पष्ट कीजिए।
Can Gita be considered as a state of renunciation of action (Karma)? Explain.

नहीं। क्योंकि गीता निष्काम कर्मयोग और प्रवृत्ति तथा निवृत्ति के मध्य संतुलन पर बल देती है जो अतिवादी विचारधारा का खंडन करती है तथा मध्यम मार्ग का समर्थन करती है उदा:- गृहस्थ जीवन

(Write above this line only)

2

संन्यास भोग विलास

Part – B
भाग – ब

(25 Marks)
(25 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each Question carries 5 marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 50 शब्द में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

1. ''डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का दर्शन समन्वयवादी दृष्टिकोण वाला है।'' टिप्पणी लिखिए।
"Dr. Sarvepalli Radhakrishnan's philosophy has a approach of coordination." Comment.

2

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का मानना प्रेयांती एवं समन्वयवादी विचारक है क्योंकि इनके द्वारा समाज के मध्य स्थापित दो विपरीत एवं परस्पर विरोधी विचारधाराओं के मध्य समन्वय पर बल दिया गया था। इस दृष्टिकोण के आधार पर ही इन्होंने विज्ञान और अध्यात्म, भौतिकतावाद व आध्यात्मिकता, आदर्शवाद व यथार्थवाद जैसी विचारधारा में समन्वय किया तथा जीवन में संतुलन पर बल दिया।

जीवन के आदर्श व यथार्थ के मध्य
धर्म और विज्ञान के मध्य समन्वय

(Write above this line only)

2. ''जनांकिकी समाज में मूल्यों के निर्धारण में सहायक है।'' स्पष्ट कीजिए।
"Demography is helpful in determining values in society." Explain.

2½

लिंगानुपात
जीवन प्रत्याशा
जनाधार

जनांकिकी से तात्पर्य समाज की जनसंख्या से सम्बन्धित आंकड़ों से है। ① जनांकिकी के आधार पर समाज में नवीन मूल्यों का समावेश उदा: आधुनिकतावादी मूल्य ② समाज में नैतिक मूल्यों की नवीन सिरे से व्याख्या उदा:- कानून एवं नैतिकता ③ समाज में सहयोग, समन्वय, सर्वधर्म समभाव, उदारता तथा विरोधी विचारधाराओं के प्रति सहिष्णुता जैसे मूल्यों का विकास ④ औद्योगीकरण ⑤ शहरीकरण जैसे मूल्यों को अपनाने में सहयोगी

(Write above this line only)

3. प्रतिबद्धता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए तथा नौकरशाहों को किसके प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए?
Explain the concept of commitment and what should bureaucrats be committed to?

3 1/2

प्रतिबद्धता की अवधारणा :- वह अवधारणा, जो किसी भी व्यक्ति/ समाज/ संस्था आदि को किन्हीं मूल्यों/ कर्तव्य/ उत्तरदायित्वों के प्रति वचनबद्ध करती है।

उक्त :- लोकसेवकों की जनकल्याण व जनसेवा के प्रति प्रतिबद्ध

किसके प्रति ① संवैधानिक कानून, मूल्य, प्रावधानों, नियमों व कर्तव्यों के प्रति ② जनकल्याण व जनसेवा के प्रति ③ अपने व्यक्तिगत व सार्वजनिक दायित्वों के निर्वहन के प्रति ④ नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति (सत्यनिष्ठा, सहिष्णुता) ⑤ नवीन कानूनों व नियमों ⑥ सरकार के प्रति ⑦ उत्पादक

(Write above this line only)

भारत कल्याणकारी राज्य है जहाँ कल्याणकारी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कार्य के आदेशों के प्रति

4. "गांधी का सर्वोदय का सिद्धांत अद्वैत मूलक अवधारणा का समर्थक है।" स्पष्ट कीजिए।
"Gandhi's principle of Sarvodaya is a supporter of the concept of Advaita." Explain.

3 1/2

गाँधीजी के सर्वोदय का तात्पर्य है समाज के सभी व्यक्तियों का सभी स्तर से (राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक) उत्थान से है। सर्वोदय अवधारणा अद्वैत मूलक अवधारणा का समर्थक है क्योंकि

① अद्वैतमूलक भी केवल एक ही मूल्य/ विचार/ उद्देश्य का पोषक है। ② दोनों का लोककल्याण साधन और साध्य एक होना ③ दोनों नैतिकता के पोषक ④ दोनों एक ही उद्देश्य के निमित्त अपने कर्तव्यों के निर्वहन पर बल ⑤ दोनों का उद्देश्य अंतिम में व्यक्ति नारायण की सेवा करना है। अतः दोनों एकरूपी अवधारणा है।

सर्वोदय = में परिणाम व गुणात्मक दोनों आवश्यक है

(Write above this line only)

5. अभिवृत्ति, मूल्य से कैसे भिन्न है? बताइये।
How is attitude different from value? Explain.

3 ½

अभिवृत्ति - किसी व्यक्ति / वस्तु / संस्था / विचारधारा / व्यवस्था के प्रति व्यक्ति की संज्ञानात्मक, भावनात्मक व व्यवहारात्मक स्तर पर सकारात्मक या नकारात्मक नजरिया - विशेष

मूल्य	अभिवृत्ति
(1) अपेक्षाकृत दीर्घकालिक व स्थायी	(1) अपेक्षाकृत अल्पकालिक व कम स्थायी
(2) मूल्यों में परिवर्तन मुश्किल	(2) परिवर्तन अपेक्षाकृत आसान
(3) मूल्य वांछनीय व साध्य व साधन	(3) आरोपणीय व नजरिया विशेष केवल साधन
(4) निरपेक्ष, उच्चस्थ	(4) सापेक्ष, अधीनस्थ
(5) भावनात्मक लगाव जुड़ाव	(5) भावनात्मक प्रभाव

(Write above this line only)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 100 words each. Each Question carries 10 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित हैं।

1. सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता के पतन के कारणों को लिखते हुए नैतिकता के पतन के विभिन्न पक्षों को वर्णित कीजिए। किसी लोक सेवक के निजी हित व व्यक्तिगत हित में टकराव की स्थिति में कौनसे हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए कारण सहित स्पष्ट करें।

Describe the various aspects of moral degradation in public relations while writing the reasons for the decline of morality. In case of conflict between private interest and personal interest of a public servant, which interest should be given priority, explain with reasons.

3

सार्वजनिक संबंध :- ऐसे संबंधों का समुच्चय जो आपसी, औपचारिकता, नैतिकता व कानूनी नियम, विनियम द्वारा लोक-सेवक हेतु बाध्यकारी हो।

पतन के कारण	विभिन्न पक्ष
(1) अत्यधिक विवेकाधीन शक्तियां	(1) व्यक्तिगत हित v/s सार्वजनिक हित
(2) प्रशासनिक भ्रष्टाचार	(2) विकास v/s पर्यावरण संरक्षण
(3) लोकसेवाओं का राजनीतिकरण	(3) जनसेवा v/s विकास
(4) [illegible] व्यवस्था	(4) आर्थिक समानता v/s क्रोनी कैपिटलिज्म
(5) अत्यधिक कम वेतन व सुविधाएं	(5) नैतिकता v/s कानून
(6) भौतिकवाद का बढ़ना	(6) कानून v/s जनकल्याण
(7) नैतिक मूल्यों का पतन	

मैं लोकसेवक के रूप में अपने निजी हितों के बजाय सार्वजनिक हितों को वरीयता दूंगा क्योंकि यह मेरे द्वारा संविधान, कानून, नियम, विनियम, जनसेवा, जनकल्याण जैसे मूल्यों के पालन व सुविधा के साथ एक आदर्श समाज की स्थापना की कुंजी है जो मेरे ऊपर कानूनी व नैतिक रूप से भी आवश्यक व बाध्यकारी है साथ ही मैं इन संबंधों के संतुलन पर भी बल दूंगा।

समानता, अभौतिकवाद, संरक्षण, सामाजिक, भ्रष्टाचार के सामाजिक व सांस्कृतिक कारणों/स्थितियों का उल्लेख होना।

(Write above this line only)

लोकसेवक लोकहित का न्यासी होता है अतः उसे लोककल्याण के भाव के लिए निजी हित का त्याग करना चाहिए।

2. निम्न बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए/टिप्पणी लिखिए/Throw light on the following points/Comment.

1. गांधीजी के कथन 'अपने को पहले सुधारो' का क्या तात्पर्य है?
What is the meaning of Gandhiji's statement 'Reform yourself first'?

2. स्वामी विवेकानन्द के दर्शन के मूल में निहित नैतिकता का वर्णन कीजिए।
Describe the morality that lies at the core of Swami Vivekananda's philosophy.

4

[1] गाँधीजी एक नम्र, वेदांती, विचारक थे। उनकी भावना था कि "स्वयं वो बदलाव अपने आप में कीजिए जो आप समाज में देखना चाहते हैं" इस कथन के अन्तर्गत ही गाँधीजी का मानना था कि यदि हम अपने व्यक्तित्व व व्यवहार में उन आदर्शों/मूल्यों/नैतिक तत्वों को शामिल कर लेते हैं, तो वही मूल्य धीरे-धीरे संसार में प्रसारित होने लगते हैं लेकिन इसके लिए आवश्यक शर्त है कि इस हेतु सर्वप्रथम एक व्यक्ति को अपने आप में सुधार करने से है।

उच्च आचरण – आत्मविश्लेषण
↓
श्रेष्ठ आचरण – आत्मशुद्धि
राजनीतिक कार्यक्रम के साथ-साथ व्यक्तिगत व सामाजिक शुद्धि के लिए रचनात्मक प्रयास भी चलते रहे

[2] स्वामी विवेकानंद नम्र, वेदांती, आध्यात्मिक गुरु, उपदेशक के साथ भारतीय राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के आध्यात्मिक पिता भी माने जाते हैं। उन्होंने नैतिकता को समाज में स्थापना हेतु सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक समानता, स्वतंत्रता के साथ सशक्तीकरण का समर्थन किया तथा युवाओं को फुटबाल खेलने (गीता को समझने हेतु) तथा [5 मूल्य] आत्मनियंत्रण, आत्मनिर्भरता, आत्मज्ञान, आत्मत्याग व आत्मविश्वास जगाने पर बल दिया था। इनके पुस्तकें राजयोग, कर्मयोग, में समाजवादी है, में भी नैतिकता का वर्णन किया गया है।

आत्मा की आंतरिक शुद्धता पर बल दिया जो आगे चलकर समानता
↓
आध्यात्मिकता के आधार ही राष्ट्रवाद

(Write above this line only)

3. केस स्टडी-

आप एक कम्पनी में एक साल से कार्यरत हैं। आपके अधीनस्थ सुरेश कुमार काफी कार्यकुशल तथा मेहनती व्यक्ति है। वे उत्तरदायित्व लेते हैं तथा काम को पूरा करके दिखाते हैं। हालाँकि आपने सुना है सुरेश कुमार महिलाओं के प्रति नकारात्मक टिप्पणियाँ करते हैं। आपके अधीनस्थ सुरेश कुमार के अधीन मोनिका नामक महिला कार्य करती हैं। मोनिका एक दिन आपके पास आती है उन्हें देखने से प्रतीत होता है कि वे परेशान हैं, वे कहती हैं कि सुरेश कुमार लगातार उनकी ओर अनुचित ढंग से आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। यहाँ तक कि उन्होंने उनसे अपने साथ रात के भोजन के लिये कहीं बाहर चलने को कहा है। वह सुरेश कुमार के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुए लिखित शिकायत दर्ज कराना चाहती हैं, आप क्या करेंगे तथा क्यों?

Case Study-

You have been working in a company for one year. Your subordinate Suresh Kumar is a very efficient and hardworking person. He takes responsibility and gets the work done. However, you have heard that Suresh Kumar makes negative comments about women. A woman named Monika works under your subordinate Suresh Kumar. Monika comes to you one day. Her tone seems to be upset, she says that Suresh Kumar is constantly trying to make inappropriate advances towards her. He has even asked her to go out for dinner with him. She wants to file a written complaint demanding action against Suresh Kumar, what will you do and why?

6

केस के हितधारक
- मैं स्वयं
- सुरेश
- मोनिका
- सुरेश व मोनिका का परिवार
- कंपनी के संगठन के सदस्य
- महिलाओं के मानवाधिकार

विकल्प

1) मोनिका को लिखित शिकायत करने से मना करूँगा।

* यह विकल्प मोनिका को सामाजिक बहिष्कार के साथ उसके प्रति कथित सम्भाव्य दुबारा बेलगामी के आरोप से बचाएगा किन्तु नैतिक रूप से अनुचित है क्योंकि यह महिलाओं की गरिमा व अधिकारों का हनन साथ ही कानूनी रूप से संकोच्य है।

[2] मोनिका को लिखित शिकायत व कार्यवाही करने का आश्वासन दूंगा।

✗ यह महिला गरिमा, कानूनी व नैतिक दृष्टिकोण से उचित है किन्तु कंपनी की उत्पादकता व विश्वसनीयता को नकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा तथा कंपनी के घाटे में जाने की संभावना भी बढ़ सकती है।

[3] मोनिका को चुप रहने के लिए कहूंगा।

✗ यह दोनों पक्षों में ही नकारात्मक होगा।

[4] मोनिका को शिकायत ना करने तथा उसको आश्वस्त करने के लिए सुरेश को कानूनी कार्यवाही का भय दिखाकर व्यवहार परिवर्तन का प्रयास करूंगा।

✗ यह सर्वथा उचित है क्योंकि इससे सुरेश के व्यवहार में परिवर्तन, कानूनी अधिकारों (महिला) की सुरक्षा के साथ कंपनी की साख भी प्रभावित नहीं होगी। अतः मैं चौथे [4] विकल्प को प्राथमिकता दूंगा।

- विशाखा मामले में सुप्रीम कोर्ट में प्रदान दिशा-निर्देशों की अनुपालना।

Unit – II
(यूनिट – II)

(65 Marks)
(65 अंक)

Part – A
भाग – अ

Marks : 10
अंक : 10

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each Question carries 2 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 15–15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. **प्रतिनिषेचक औषधि किसे कहते हैं? किन्हीं चार प्रतिनिषेचक रसायनों के नाम लिखिए।**
What is called antifertilizer drug? Write the names of any four antifertilizer chemicals.

(2)

वे औषधियाँ जो निषेचन की क्रिया को गति को मंद या रोक देती हैं। प्रतिनिषेचक औषधि कहलाती है।

(1) एस्ट्रोजन व प्रोजेस्टेरॉन के व्युत्पन्न (सहेली)
(2) ऑक्सिटोसिन हार्मोन के कैप्सूल (3) सोयाबीन का तेल
(4) कॉपर - T

(Write above this line only)

2. **डॉप्लर प्रभाव के दो अनुप्रयोग लिखिए।**
Write two applications of Doppler effect.

~~जब प्रकाश की [illegible] किसी वस्तु के सापेक्ष गति [illegible] उसकी स्थिति का [illegible] पता लगाना।~~

~~अनुप्रयोग (1) सिनेमाघर में प्रकाश की आवश्यकता [illegible]~~

अनुप्रयोग (1) रेलवे स्टेशन पर रेल के आने की जानकारी
(2) राडार में
(3) किसी वस्तु की गति का पता लगाने में
(4) सड़क पर गुजरते वाहनों की कमरे में आवाज आना।
सिनेमाघर में

(Write above this line only)

(2)

3. डी-ऑक्सी राइबोन्यूक्लिओटाइड अणु के घटक अणुओं के नाम लिखिए।
Write the names of the constituent molecules of deoxyribonucleotide molecule.

2

(1) डी-ऑक्सी राइबोज शर्करा
(2) फास्फेट समूह
(3) पेप्टाइड बंध
(4) नाइट्रोजन क्षारक < पिरिमिडीन => ग्वानिन, थायमिन; प्यूरिन => एस्कॉर्बिक अम्ल, थायमिन

(Write above this line only)

1

4. औद्योगिक इंटरनेट की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
Explain the concept of Industrial Internet.

अवधारणा - जनरल इलेक्ट्रिक द्वारा प्रतिपादित

औद्योगिक इंटरनेट से तात्पर्य किसी औद्योगिक इकाई द्वारा अपने इंटरनेट की आवश्यकता की पूर्ति, आँकड़ों व सूची लिस्टों की सुरक्षा तथा इंटरनेट की अबाध व नियमित तीव्र गति की पहुँच को सुनिश्चित करने तथा संगठन की क्रियाशीलता बढ़ाने से है। उदा:- अडानी द्वारा सिलिकॉन को 100 करोड़ का भुगतान - 2022 [illegible]

(Write above this line only)

5. मानव तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाले किन्हीं चार रासायनिक हथियारों के नाम लिखिए।
Write the names of any four chemical weapons that affect the human nervous system.

2

(1) फॉस्जीन गैस
(2) सोमैन
(3) ताबून
(4) VX
(5) नाइट्रोजन व सल्फर सल्फाइड गैस
(6) वाष्पशील ओलाटाइल यौगिक

(Write above this line only)

Part – B
भाग - ब

(25 Marks)
(25 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each Question carries 5 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

1. काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर T-सेल थैरेपी (CART Therapy) पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a short note on Chimeric Antigen Receptor T-Cell Therapy (CART Therapy).

2½

CART थैरेपी :- इस थैरेपी के माध्यम से कैंसर का इलाज किया जाता है जिस हेतु मानव की काइमेरिक टी-सेल को जीन एडिटिंग से प्रवर्धित किया जाता है। इस थैरेपी में CAR T सेल कैंसर कोशिका की वृद्धि को नियंत्रित तथा समाप्त करती है। हाल ही में भारत की पहली CAR-T थैरेपी IIT मद्रास व टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल व एक निजी संस्था द्वारा विकसित की गई है।

T-cell + CAR प्रयोगशाला में निर्मित

मुम्बई

(Write above this line only)

2. उपग्रह आधारित इंटरनेट क्या होता है? उपग्रह आधारित इण्टरनेट के लाभों के उल्लेखित कीजिए।
What is satellite based internet? Mention the advantages of satellite based internet.

3½

इस प्रणाली के माध्यम से इंटरनेट की सुविधा परम्परागत तारों के स्थान पर उपग्रह के Uplink व Downlink द्वारा इंटरनेट की सुविधा उपभोक्ता को उपलब्ध करवाई जाती है।

उदा:- स्पेस एक्स का Starlink Project व वनवेब का प्रोग्राम

लाभ - ① कम लेटेंसी ② आपदा क्षेत्र तक पहुँच ③ अवसंरचनात्मक निर्माण की आवश्यकता नहीं ④ इंटरनेट की तीव्र गति ⑤ सस्ती लागत ⑥ वेब सर्फिंग की गति तीव्र ⑦ 6G को प्रोत्साहन

(Write above this line only)

3. आयुष सेवा/पद्धति में सम्मिलित चिकित्सा पद्धतियों के नाम लिखिए तथा पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों के समक्ष उत्पन्न चुनौतियाँ बताइये।
Write the names of the medical systems included in AYUSH service/system and tell the challenges faced by traditional medical systems.

आयुष सेवा में आयुर्वेद, यूनानी, प्राकृतिक चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, आधुनिक चिकित्सा को शामिल किया जाता है। आयुष इन पाँचों चिकित्सा पद्धतियों के प्रयोग से स्वास्थ्य देखभाल करता है।

पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों की चुनौतियाँ –
1. पारम्परिक चिकित्सा के ज्ञान के स्रोतों की अनुपलब्धता। केन्द्रीकृत विनियमन व नियमन
2. पारम्परिक चिकित्सा का अधूरा व अपूर्ण ज्ञान
3. वर्तमान की चिकित्सा के समान शीघ्र इलाज का अभाव
4. पारम्परिक ज्ञान कोष का नहीं होना
5. आधुनिक चिकित्सा में लगने वाला समय का अ...
6. कानूनी व नैतिक मुद्दे
7. IPR व पेटेंट के मुद्दे – वर्तमान चिकित्सा पद्धतियों से प्रतिस्पर्धा

3

(Write above this line only)

4. विद्युत प्रतिरोध को परिभाषित करते हुए प्रतिरोध को प्रभावित करने वाले कारकों पर टिप्पणी लिखिए।
Define electrical resistance and write a note on the factors affecting resistance.

3 1/2

विद्युत प्रतिरोध :- विद्युत धारा के प्रवाह में उत्पन्न होने वाले अवरोध को प्रतिरोध कहा जाता है। प्रतीक = R, मात्रक = ओम

कारक
1. तार की लंबाई :- अधिक लंबे तार में अधिक प्रतिरोध होते हैं
2. तार का अनुप्रस्थ काट :- प्रतिरोध के व्युत्क्रमानुपाती
3. तार की प्रकृति :- अधिक क्रियाशील धातुओं में प्रतिरोध की मात्रा कम
4. माध्यम की उपलब्धता :- निर्वात में प्रतिरोध की कम...
5. पदार्थ की चालकता का गुण :- चालकता तथा प्रतिरोध एक-दूसरे के व्युत्क्रमानुपाती होते हैं

(Write above this line only)

5. परिरक्षक क्या होते हैं? परिरक्षकों के आवश्यक गुणों को लिखते हुए किन्हीं चार परिरक्षकों के नाम लिखिए।
What are preservatives? Write the names of any four preservatives while describing the essential properties of preservatives.

(3½)

परिरक्षक :- वे पदार्थ जो स्वयं खाद्य पदार्थों में मिलकर खाद्य पदार्थों को खराब होने से, दुर्गंध से, बचाते हैं तथा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को बनाए रखते हैं। यह विधि खाद्य परिरक्षण कहलाती है।

आवश्यक गुण	चार परिरक्षक
1 कम मात्रा में उपयोगी व प्रभाव	1 सोडियम बेंजोएट
2 खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को यथावत बनाए रखे	2 सॉर्बेट
3 खाद्य विषाक्तता उत्पन्न ना करें	3 चीनी
4 अम्लता	4 शर्करा। शक्कर
स्थायी प्रकृति 5 सस्ते व दीर्घकालिक	5 नमक

(Write above this line only)

6. पादप कोशिका व जन्तु कोशिका में मूलभूत अन्तर लिखिए।
Write the basic differences between plant cells and animal cells.

(2½)

पादप कोशिका	जन्तु कोशिका
1 कोशिका भित्ति उपस्थित	1 कोशिका भित्ति अनुपस्थित
2 प्रोकेरियोटिक कोशिका	2 यूकेरियोटिक कोशिका
3 राइबोसोम का अभाव	3 राइबोसोम उपस्थित
4 कोशिका झिल्ली अनुपस्थित	4 कोशिका झिल्ली उपस्थित
5 प्रकाश संश्लेषण हेतु क्लोरोप्लास्ट, क्लोरोफिल (स्वपोषी)	5 विषमपोषी कोशिका
6 कोशिका द्रव्य में कोशिक झिल्ली का अभाव	6 कोशिका झिल्ली + लाइसोसोम उपस्थित

(Write above this line only)

स्टार्च या तेल के रूप में — ग्लाइकोजन के रूप में

सेन्ट्रोसोम अनुपस्थित — उपस्थित

Part – C

भाग – स

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 100 words each. Each Question carries 10 marks. (30 Marks)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 100–100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित हैं। (30 अंक)

1. निम्न बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए/टिप्पणी लिखिए/Throw light on the following points/Comment.
   1. हाइड्रोजन आबंधन/Hydrogen bonding
   2. अम्ल-क्षारक के सन्दर्भ में ब्रनस्टेद-लोरी की संकल्पना/Brunsted-Lowry concept in context of acid-base
   3. भँवर धाराएँ व इनके अनुप्रयोग/Eddy currents and their applications

(5)

[1] हाइड्रोजन आबंधन :- हाइड्रोजन तत्व का हाइड्रोजन या अन्य कार्बनिक व अकार्बनिक तत्वों के साथ बंध बनाने की क्रिया को हाइड्रोजन आबंधन कहते हैं। उदा:- हाइड्रोकार्बन श्रृंखलाओं का निर्माण

एकल बंध को असंतृप्त हाइड्रोजन बंध, तथा द्वि या त्रिबंध बनाने को असंतृप्त हाइड्रोजन बंध कहा जाता है।

[2] ब्रन्स्टेड संकल्पना के आधार पर अम्ल व क्षारक का विभाजन किया गया है जिसके तहत वे यौगिक (तत्व) जो विलयन में इलेक्ट्रॉन का त्याग करते हैं [अम्ल] कहलाते हैं जबकि वे यौगिक जो विलयन में इलेक्ट्रॉन ग्रहण करते हैं उन्हें [क्षारक] कहलाते हैं। उदा:- $H^{+} + OH^{-}$

[3] वैज्ञानिक [फैकाल्ट] द्वारा खोज जब किसी (बंद) परिपथ में [ɸ] के प्रवाह में परिवर्तन के कारण प्रेरित विद्युत धारा गोल घेरे रूप में उत्पन्न होते हैं तथा गति का विरोध करती है।

[अनुप्रयोग] :- (1) विद्युत ब्रेकिंग में (2) स्पीडोमीटर में (3) इलेक्ट्रो मैग्नेटिक अवमंदन में (4) धातु के संक्षारण में (5) विद्युत मोटर में

(Write above this line only)

2. निम्न बिन्दुओं पर टिप्पणी लिखिए/प्रकाश डालिए/Write a note/ throw light on the following points.

1. लाइकेन/Lichen

2. पाचन तंत्र के विभिन्न भाग/अंगों में अवशोषित होने वाले भोज्य/खाद्य घटक/Food components absorbed in different parts/organs of the digestive system

6½

1 लाइकेन – लाइकेन सहजीवी संबंध का एक उदाहरण है जिसमें शैवाल व कवक के मध्य सहजीवी संबंध पाया जाता है। यह संबंध दोनों के लिए ही लाभदायक है क्योंकि इसमें शैवाल कवक को भोजन की उपलब्धता करवाता है तो वहीं कवक शैवाल को रहने के लिए एक आधार प्रदान करता है। लाइकेन स्वच्छ जलीय परितंत्र, जल प्रदूषण व वायु प्रदूषण के संकेतक के साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र की विविधता की जानकारी भी प्रदान करते हैं।

2 (1) मुख/मुखगुहा :- भोजन को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ा

(2) आमाशय :- यहाँ पर पेराइटल, श्लेष्मा, पेप्टाइड्ल व G कोशिका पायी जाती है। यहाँ पर प्रोटीन के पाचन हेतु पेप्सिन एंजाइम, कार्बोहाइड्रेट हेतु एमाइलेज एंजाइम

(3) आहारनाल :- इसमें छोटी आंत व बड़ी (मध्य) आंत में भोजन के पाचन हेतु आन्त्रीय रस का स्रावण होता है यहाँ पर प्रोटीन हेतु इरेप्सीन, ट्रिप्सिन एंजाइम, कार्बोहाइड्रेट हेतु टाइरोलिन एमाइलेज व वसा हेतु फैटी एसिड के माध्यम से इनका पाचन अवशोषण किया जाता है इसके अतिरिक्त यकृत से पित्त रस व अग्नाशय से अग्न्याशयी रस (पूर्ण पाचक) भी इसमें उपयोगी है

(Write above this line only)

3. निम्न पर टिप्पणी लिखिए/Write a note on the following.
   1. राजस्थान सरकार की बौद्धिक संपदा नीति के लक्ष्य/Goals of the intellectual property policy of the Rajasthan government
   2. आदित्य L-1 पर लगे पेलोड्स के नाम व आदित्य L-1 के प्रेक्षपण के उद्देश्य/Names of payloads on Aditya L-1 and objectives of Aditya L-1 launch.
   3. भारत में रोबोटिक्स के विकास के समक्ष आने वाली चुनौतियाँ/Challenges faced in the development of robotics in India

6½

1. (1) राजस्थान में बौद्धिक सम्पदा को संरक्षण प्रदान करना
(2) बौद्धिक संपदा के अधिकारों की सुरक्षा व उल्लंघन करने पर दण्डात्मक कार्यवाही का प्रावधान
(3) राजस्थान को IPR में अग्रणी राज्य बनाने हेतु शोध व अनुसंधान को बढ़ावा (4) IPR प्रदान करना
(5) IP के विकास हेतु तकनीकी व वित्तीय सहायता

2.

पेलोड्स	उद्देश्य — Launch 2 Sept 2023
(1) PAPA	(1) सूर्य के कोरोना, क्रोमोस्फीयर, कोर भाग का अध्ययन
(2) SALENS	(2) सूर्य से आने वाले सूर्य विकिरण का अध्ययन
(3) CARE	(3) सूर्य तूफान का अध्ययन
(4) ट्रांसपोंडर व पेन	(4) औरोरा की घटना का अध्ययन
(5) वेरी हाई रिजॉल्यूशन कैमरा (कॉरोनिक कैमरा)	(5) सूर्य की किरणों का पृथ्वी के चुम्बकीय पर

3. Robotics Challenges

1. बुनियादी ढाँचे का अभाव
2. तकनीकी का अभाव
3. तकनीकी कौशलता व दक्षता का अभाव
4. अत्यधिक निवेश की आवश्यकता
5. Robotics से संबंधित मशीनरी का अभाव
6. कुशल मानव संसाधन का अभाव
7. स्वचालन व मैन पॉवर का प्रश्न
8. लागत अत्यधिक

(Write above this line only)

Siddhi-II - 018

Samyak
An Institute for Civil Services

(Unit – III)
(यूनिट – III)

(70 Marks)
(70 अंक)

(10 Marks)
(10 अंक)

Part – A
भाग – अ

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each Question carries 2 marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 15–15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार 'लघु ग्रीष्म तथा ठण्डी शीत ऋतु जलवायु' वाले प्रदेशों/राज्यों के नाम लिखिए।
According to Koppen's climate classification, write the names of regions/states with 'short summer and cold winter climate'.

0

– अरुणाचल प्रदेश
– हिमालय के अन्य पूर्वी राज्य

~~(1) तमिलनाडु~~
~~(2) आन्ध्रप्रदेश~~
~~(3) पुदुच्चेरी~~
~~(4) कोरोमंडल तट~~
~~(5) ओडिशा का कुछ भाग~~

लघु ग्रीष्म तथा ठंडी शीत ऋतु

(Write above this line only)

2. विकास की प्रक्रिया/अवस्था के आधार पर पठारों का सोदाहरण वर्गीकरण कीजिए।
Classify plateaus on the basis of process/stage of development with examples.

2

नवनिर्मित पठार – लद्दाख पठार
प्रौढ़ावस्था पठार – दक्कन का पठार
युवावस्था पठार – मेघालय पठार
पुनर्युवनित पठार – अप्लेशियन पठार

(Write above this line only)

3. भारत की पश्चिमी तटीय सीमा पर स्थित तटों का क्रमागत सविस्तार नाम लिखिए।
Write the names of the coasts situated on the western coastal border of India in sequence.

(1) गुजरात का तट (काठियावाड़ का तट, कच्छ का तट)
(2) कोंकण तट
(3) कन्नड़ तट
(4) मालाबार तट

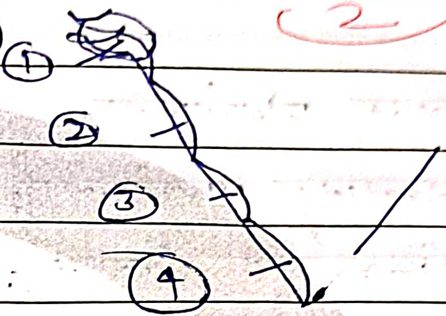

2

(Write above this line only)

4. जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार राज्य के न्यूनतम साक्षरता वाले चार जिलों के (साक्षरता प्रतिशत) नाम लिखिए।
According to Census 2011, write the names of four districts of the state with minimum literacy (literacy percentage).

(1) जालौर
(2) सिरोही
(3) प्रतापगढ़
(4) बाँसवाड़ा

2

(Write above this line only)

5. राजस्थान के अग्रणी/शीर्ष मक्का उत्पादक जिलों के नाम लिखिए।
Write the names of leading/top maize producing districts of Rajasthan.

(1) बाँसवाड़ा
(2) उदयपुर
(3) प्रतापगढ़
(4) चित्तौड़गढ़

2

(Write above this line only)

Part – B
भाग – ब

(30 Marks)
(30 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each Question carries 5 marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

1. राजस्थान की प्रमुख जल-विद्युत परियोजनाओं पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a short note on the major hydroelectric projects of Rajasthan.

चम्बल परि० – 1093 माथ किलोवाट — आयड़ / माही परि०

① जाखम परियोजना :- प्रतापगढ़ में जाखम नदी पर
② अनास परियोजना :- बाँसवाड़ा में अनास नदी पर
③ चंबल लिफ्ट कैनाल :- चंबल नदी पर भरतपुर/धौलपुर में
④ IGNP पर :- पावोर, पूगल, बीरसलपुर (बीकानेर) सूरतगढ़, अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर)
⑤ अन्य परियोजनाएँ :- माही (राज : गुजरात), चंबल (राज्य : MP), सलाल, दुलहस्ती, धौली गंगा, पार्वती, भाखड़ा नांगल, सतलज, रावी - व्यास, टिहरी आदि में राज्य की भागीदारी

नर्मदा घाटी योजना – 100 मेगावाट

(Write above this line only)

2. भारत में घीया पत्थर के उत्पादन में राजस्थान का स्थान चिन्हित करते हुए राज्य के प्रमुख घीया पत्थर उत्पादक क्षेत्रों के नाम लिखिए।
Identifying the position of Rajasthan in the production of Ghiya stone in India, write the names of the major Ghiya stone producing areas of the state.

भारत में घीया पत्थर के उत्पादन में राजस्थान का प्रथम स्थान है। घीया पत्थर अधात्विक खनिज है, जिसका प्रयोग निर्माण कार्यों में तथा चित्रकारी, सजावट में किया जाता है।

उत्पादक क्षेत्र
① उदयपुर (जामर कोटड़ा, बाबरमाल)
② जैसलमेर (लाठी सिरमालिया)
③ चित्तौड़गढ़
④ भीलवाड़ा

राजसमन्द
अलवर
दौसा
करौली
अजमेर

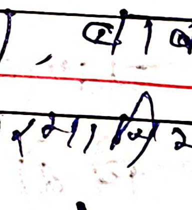
घीया पत्थर

(Write above this line only)

3. वैश्विक पर्यावरण सुविधा पर चर्चा करते हुए इसके द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय अभिसमयों के नाम लिखिए।
While discussing the Global Environment Facility, write the names of the international conventions that receive financial assistance from it.

स्थापना: 1992 रियो सम्मिट से पहले

वैश्विक पर्यावरण सुविधा :- वैश्विक स्तर पर पर्यावरण द्वारा जो सुविधाएं हमें उत्पाद, कच्चे माल आदि के रूप में प्रदान की जाती है जिसके कारण हमें स्वच्छ वायु, जल, गोंद, आजीविका के साधन प्राप्त होते है जो इसमें आजीविका ...

अभिसमय (1) 1992 का रियो-डी-सम्मेलन
(2) किगाली समझौता - 2016
(3) पेरिस जलवायु समझौता - 2015
(4) अनुकूलन फंड
(5) REDD + REDD+ कार्यक्रम

मिनामाता अभिसमय
स्टॉकहोम
जैविक विविधता पर स.यु. सम्मेलन

(2)

(Write above this line only)

4. विश्व के प्रमुख शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदानों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a short note on the major temperate grasslands of the world.

(3)

मैदान	टिप्पणी
(1) प्रेयरीज	उत्तरी अमेरिका में स्थित (अमेरिका, कनाडा), गेहूं पालन, पशुपालन मुख्य, काउबाई, पॉपलर, ओक वनस्पति
(2) पम्पास	दक्षिणी अमेरिका के अर्जेन्टीना, ब्राजील, चिली, उरुग्वे में, मांस उत्पादन, एस्टेन्शिया (फार्म की)
(3) स्टेपी	यूरेशिया में 8000km वर्ग में, कालखोज फार्म, गेहूं का उत्पादन
(4) वेल्ड	अफ्रीका के दक्षिण अफ्रीका, लेसोथो में स्थित, मु...
(5)	ऑस्ट्रेलिया में स्थित, चावल उत्पादन, भेड़पालन

(Write above this line only)

डाउन्स — आस्ट्रेलिया - मर्रे डार्लिंग

5. "भारत की भौगोलिक अवस्थिति भारत के लिए लाभदायक है।" सतर्क बताइये।
The geographical location of India is beneficial for India. Explain.

3

भारत की उत्तरी सीमा हिमालय से सुरक्षित होती है तो वहीं दक्षिणी सीमा हिन्द महासागर के साथ लगती है, जो भारत को अन्य देशों से सम्पर्क स्थापित करने में सहायता प्रदान करती है। भारत 8°45' उत्तरी-37°6' उत्तरी अक्षांश के मध्य स्थित होने के कारण भारत में विविध जलवायु विभिन्नता मिलती है, जो उत्पाद में विविधता को बढ़ावा देती है। अक्षांशीय विस्तार के कारण कच्चे माल में भारत की अनंत व उपजाऊ मैदानी भाग के कारण उत्पादकता दोनों के अनुकूल वातावरण है।

भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः

(Write above this line only)

(Unit – III) (यूनिट – III) (30 Marks)

Part – C (भाग - स) (30 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 100 words each. Each Question carries 10 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 100-100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित हैं।

1. राजस्थान की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों को उल्लेखित करते हुए राजस्थान की जलवायु के लिए थार्नवेट द्वारा प्रतिपादित वर्गीकरण लिखिए।

Write the classification proposed by Thornthwaite for the climate of Rajasthan, mentioning the factors affecting the climate of Rajasthan.

5

अक्षांशीय विस्तार 23°3 – 30°12

राजस्थान की जलवायु उपोष्ण कटिबंधीय प्रकार की है।

[1] भौगोलिक अवस्थिति :– राज. का बाँसवाड़ा उष्ण कटिबंधीय जलवायु में बचा शेष राजस्थान उपोष्ण जलवायु में आता है।

[2] अरावली की स्थिति :– राजस्थान में वर्षा के वितरण को दो भागों में विभाजित करती है।

[3] समुद्री तट से दूरी के कारण अल्प वर्षा प्राप्त 57.51

[4] महाद्वीपीय जलवायु के कारण जलवायु में विषमकारी प्र

[5] अन्य उच्चावच व पठार तथा प्राकृतिक विभिन्नता

मानसूनी व चक्रवातीय पवनें

थॉर्नवेट के जलवायु को आधार वर्षा, तापमान व ~~बारह~~ वाष्पीकरण है। राज्य को 4 भागों में विभाजित किया है।

जलवायु प्रदेश	~~[illegible]~~ जलवायु	स्थान	वनस्पति
(1) ~~A~~ CAw	आर्द्र जलवायु	वागड़ प्रदेश व कोटा, बारां, झालावाड़	सघन वनस्पति, सागवान तुल्य
(2) ~~B~~ DA'w	अर्द्धशुष्क	नागौरी उच्चभूमि, घग्घर व चूरू बीकानेर, शेखावाटी उच्चभूमि, जयपुर, अजमेर, जोधपुर	सवाना तुल्य वनस्पति
(3) ~~B~~ DB'w	शुष्क अर्द्धशुष्क	बीकानेर संभाग	खेजड़ी, बबूल,
(4) ~~C~~ EA'd	शुष्क	जैसलमेर, जोधपुर आंशिक बाड़मेर	मरुद्भिद् वनस्प

(Write above this line only)

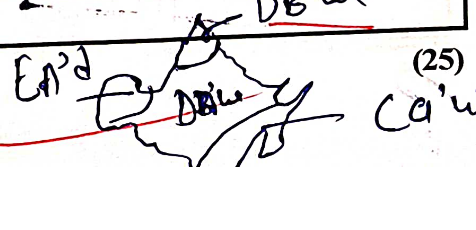

2. निम्न बिन्दुओं पर टिप्पणी लिखिए/प्रकाश डालिए/Write a note/ throw light on the following points.

1. भारत में धरातलीय जल संसाधन की स्थिति व उपयोग/Status and use of surface water resources in India
2. भारत में लौह अयस्क खनन की पेटियाँ/Belts of iron ore mining in India

2

2 भारत में लौह अयस्क खनन की चार प्रमुख पेटियाँ है —

(1) झारखंड - उड़ीसा पेटी :- यहाँ पर बिटुमिनस कोयला के साथ उच्च गुणवत्ता का लौह अयस्क प्राप्त होता है

(2) महाराष्ट्र गोवा पेटी :- यह महाराष्ट्र व गोवा में विस्तृत है जहाँ पर हेमेटाइट लौह अयस्क अधिक

(3) बेल्लारी - चिकमगलूर, कुमकुर पेटी :- कर्नाटक में मुख्य रूप से विस्तारित पेटी

(4) चित्रकूट, फतेगढ़ व दुर्ग पेटी :- छत्तीसगढ़ में स्थित पेटी

बेलाडिला पहाड़ी श्रृंखलाओं की अति उत्तम कोटि का हेमेटाइट

(Write above this line only)

3. हिन्द महासागर क्षेत्र का भारत के लिए महत्त्व उल्लेखित करते हुए वर्तमान में इस क्षेत्र में भारत के समक्ष उत्पन्न चुनौतियाँ बताइये।
Mentioning the importance of the Indian Ocean region for India, tell the challenges currently faced by India in this region.

3

(1) हिन्द महासागर भारत को अन्य देशों से जलमार्ग के माध्यम से परिवहन व आयात निर्यात का मार्ग उपलब्ध करवाता है। (2) Blue Economy के माध्यम से मत्स्यन संसाधन व समुद्री संसाधनों तक पहुँच (3) पेट्रोलियम संसाधनों की प्रमुखता (बसीन, अलियाबेट) (4) भारत को सामरिक व रणनीतिक महत्व प्रदान (भारत का प्रमुखत्व) (5) भारत की सुरक्षा हेतु (6) भारत को वैश्विक नेता।

वर्तमान चुनौतियाँ

(1) चीन का हिन्द महासागर में हस्तक्षेप (बढ़ता) (2) हूथी विद्रोहियों द्वारा व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना (3) आतंकवाद (4) मालदीव, जिबूती, पाकिस्तान, श्रीलंका में चीनी बंदरगाह (5) String of Pearls Policy (6) संसा...

1) सुरक्षा चुनौतियां
2) गैर पारंपरिक खतरे
3) अमेरिका की नीति में बदलाव
4) मौजूदा नागरिक सैन्य संबंध

विस्तार (लिखें)

(Write above this line only)